सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. डी. आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 2/2019

दिनांक : 08/03/2019

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मचारियों के नाम

प्रिय साथियों ,

विषय : सीजेडआईईए सचिव मंडल की बैठक संपन्न।

दिनांक 3 एवं 4 मार्च 2019 को सीजेडआईईए सचिव मंडल की बैठक रायपुर में अध्यक्ष काम. एन चक्रवर्ती की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, प बंगाल के पूर्व उद्योग मंत्री काम. निरूपम सेन, पूर्व रेलमंत्री श्री जार्ज फर्नांडीज, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री बलरामदास जी टंडन, साहित्यकार कृष्णा सोबती, डॉ. नामवर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार श्री कुलदीप नैयर, फिल्म निदेशक मृणाल सेन, गायक मो. अजीज, लक्ष्मण मस्तूरिया, फिल्म अभिनेता श्री कादर खान, अभिनेत्री श्रीदेवी, क्रिकेटर श्री अजीत वाडेकर, क्रिकेट कोच श्री रमाकांत आचरेकर, काम. अशोक सिन्हा, काम. प्रदीप तिवारी तथा केरल के भीषण प्राकृतिक आपदा एवं पुलवामा की आतंकी कार्यवाही में शहीद सीआरपीएफ व सेना के जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सचिव मंडल की बैठक में अगस्त 2018 में ग्वालियर में हुई सीजेडआईईए कार्यकारिणी समिति की बैठक के बाद से इस दौरान हुए घटनाक्रमों तथा इस अवधि में 25-26 जनवरी 2019 को हैदराबाद में संपन्न एआईआईईए सचिव मंडल की बैठक के निर्णयों की रोशनी में विस्तृत समीक्षा के साथ ही भावी कार्यक्रम निर्धारित किये गये।

सचिव मंडल ने बैठक के ठीक पूर्व विगत एक दशक से अधिक समय से बीमा कर्मियों के पेंशन योजना में सम्मिलित होने हेतु एक और अवसर की मांग को लेकर हड़ताल सहित एआईआईईए तथा संयुक्त मोर्चा के संघर्ष के अनथक प्रयासों के बाद ऐसे साथियों हेतु पेंशन योजना में विकल्प हेतु अवसर की भारत सरकार की स्वीकृति के निर्णय पर प्रसन्नता का इजहार करते हुए इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एआईआईईए व बीमा कर्मियों के आंदोलन का अभिनंदन किया और बधाई दी। सचिव मंडल का स्पष्ट मत था कि सामाजिक सुविधाओं पर आक्रमण के नवउदारवादी दौर और मजदूर विरोधी प्रतिक्रियावादी सरकार से यह उपलब्धि हासिल करना अभूतपूर्व है इससे हमारे भावी आंदोलन को आगे बढ़ाने और मौजूदा सरकार के आक्रमणों को पराजित करने नये आत्मविश्वास का संचार हुआ है। यह एआईआईईए के कौशल और अदम्य संघर्ष की इच्छाशक्ति और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बीमा कर्मियों के जायज अधिकार को प्राप्त करने की वचनबद्धता का ही प्रमाण है। सचिव मंडल ने इसके साथ ही इस विकल्प को लेकर भारत सरकार द्वारा एलआईसी को प्रेषित पत्र में बैंक की तरह ही नियम पर एआईआईईए की त्वरित विरोध की भी सराहना की। सचिव मंडल ने इस अभूतपूर्व उपलब्धि को संगठन में तब्दील करने ऐसे सभी साथियों तक तत्काल सूचना के संप्रेषण व उन्हें ऑल इंडिया इंश्योरेंस पेंशनर्स एसोसियेशन के सदस्य बनाने तथा सभी मंडलों में आगामी बैठक तक एआईआईपीए की इकाई गठित करने व जहां इकाई हैं, उसे सक्रिय करने सभी मंडलीय इकाइयों से पहल करने का आव्हान किया।

सचिव मंडल ने नोट किया कि वैश्विक स्तर के घटनाक्रम पुनः यह प्रमाणित करते हैं कि वैश्विक मंदी से उबरने के तमाम दावों के विपरीत पूंजीवादी आर्थिक संकट और गहरा हुआ है।

आईएमएफ व विश्व बैंक तथा हालिया गोल्डमेन सेश की रिपोर्ट ने बताया है कि विश्व बैंक ने विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वर्ष 2019 में किये गये वृद्धि के दावे को 3.8 प्रतिशत से घटाकर 3.5 प्रतिशत का अनुमान जाहिर किया है। इसी तरह अमरीकी अर्थव्यवस्था में भी जीडीपी वृद्धि की दर 2018 के 2.9 प्रतिशत से घटकर 2019 में 2.5 और 2020 में 1.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसी तरह यूरोपीय देशों में भी वृद्धि दर 1.9 से घटकर 1.6 प्रतिशत का अनुमान है। जापान की वृद्धि दर 1 प्रतिशत से घटकर 2020 में 0.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। अमरीका के अतिसंरक्षणवाद ने वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध की स्थिति उत्पन्न कर दी है। इस संकट का भार विश्व मेहनतकशों पर ही थोपा जा रहा है और मितव्ययता के नाम पर मेहनतकशों की तमाम सामाजिक सुविधाएं खत्म की जा रही हैं, महंगाई बढ़ रही है, बेरोजगारी चरम पर है और अमीरों व गरीबों के बीच असमानता की खाई और गहरी हो गई है। सचिव मंडल ने नोट किया कि इस पूंजीवादी वैश्विक संकट के विरुद्ध समूची दुनिया में संघर्ष भी तीव्र हो रहे हैं। ब्रिटेन में ब्रेक्सिट, फ्रांस में येलो वेस्ट के आंदोलन के समक्ष सरकार को झुकना पड़ा और श्रमिकों के वेतन में 100 यूरो की वृद्धि व पेट्रो पदार्थों की कीमतों की वृद्धि वापस लेना पड़ी। अमरीका, ग्रीस, ब्राजील सहित अन्य लातिन अमरीकी देशों में भी संघर्ष के ज्वार उभरे हैं और इन संघर्षों में मेहनतकश जनता अपने अधिकारों की हिफाजत और वैश्वीकरण की असलियत को उजागर कर रहे हैं।

सचिव मंडल ने नोट किया कि विगत पौने पांच साल से देश की सत्ता में काबिज वर्तमान भाजपानीत सरकार के राज में उपरोक्त नवउदारवादी नीतियों को ही आक्रामकता से लागू किये जाने के चलते देश में अमीरी-गरीबी की खाई और गहरी हुई है। बेरोजगारी की दर 7.1 प्रतिशत पर पहुंच गई है जो विगत 45 सालों में सर्वाधिक है। सरकारी नीतियों ने रोजगारहीन अर्थव्यवस्था को रोजगारहंता नीतियों में बदल दिया है। आक्सफाम द्वारा जारी विश्व असमानता रिपोर्ट ने भारत में विगत सालों में चंद खरबपति व आम जनता के मध्य चरम असमानता का खुलासा किया है। चाहे मानव विकास सूचकांक हो या लैंगिक सूचकांक या शैक्षणिक स्तर पर, प्रत्येक मायने में भारत पूर्व के पायदानों से नीचे खिसका है। नोटबंदी, जीएसटी ने अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है और विकास दर पांच वर्ष के न्यूनतम 6.1 प्रतिशत तक पहुंच गई है। रोजगार के आंकड़े हो या किसान आत्महत्या के, सरकार इन आंकड़ों को ही जारी करने से इंकार कर रही है। हालत यह है कि राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संस्थान के अधिकारियों को ही इस्तीफा देना पड़ा। कृषि विकास दर का राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान विगत 14 सालों की तुलना में घटा है, जिससे कृषि का संकट और गहरा हुआ है। पेट्रो पदार्थों की कीमतें हो या रसोई गैस या आवश्यक जिन्सें, महंगाई बढ़ी है। राफेल विमान सौदा हो या कोई और मसला सरकार से सवाल पूछने को ही राष्ट्रद्रोह करार दिया जा रहा है। अपने अंतिम व अंतरिम बजट में भी सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्रों को ही निशाना बनाया और विनिवेश के जरिये 80 हजार करोड़ जुटाने का लक्ष्य तय किया। बैंक का एनपीए का परिमाण बढ़ रहा है और सरकार बैंकों के मर्जर में लगी है। बीएसएनएल के साथ ही कोयला, एयर इंडिया सभी सार्वजनिक संस्थाओं के निजीकरण का ऐलान हो रहा है तथा लाल किले को निजी क्षेत्र में सौंपने के बाद अब 5 एयरपोर्ट भी अडानी के हवाले कर दिये गये। आतंकवाद से निपटने में विफल सरकार आतंकी हमलों में शहीद जवानों की शहादत के भी राजनीतिकरण में लगी है।

सचिव मंडल ने नोट किया कि इस सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता के हर तबके का संघर्ष भी तीव्र हुआ है। 5 सितंबर को आजाद भारत के इतिहास में पहली बार लाखों मजदूरों - किसानों का साझा दिल्ली महापड़ाव, छात्रों, युवाओं, महिलाओं के व्यापक प्रतिरोध के साथ ही 8-9 जनवरी 2019 को दो दिन की देशव्यापी हड़ताल जिसमें 20 करोड़ से अधिक श्रमिकों और अनेक स्थानों पर हजारों किसानों की, समर्थन में बंद, रास्ता, रेल रोको कार्यवाही इसका प्रमाण है। सचिव मंडल का स्पष्ट मत था कि सरकार की वादा-खिलाफी तथा सभी किस्म की जनतांत्रिक व वैधानिक संस्थाओं पर हमलों के खिलाफ बढ़ते प्रतिरोध से, जनता से विलगाव के चलते सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की मुहिम तेज की जा रही है। सचिव मंडल ने यह भी नोट किया कि हालिया विधानसभा चुनावों में भी जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति हुई है। सचिव मंडल का स्पष्ट मत था कि बीमा कर्मी इस परिस्थिति से अछूते नहीं हैं इसलिए, हमें सरकार की मजदूर विरोधी आक्रामक नीतियों तथा मजदूर वर्ग की एकता को विभाजित करने के षड़यंत्रों को आगामी दिनों में पराजित करने अपनी सार्थक भूमिका अदा करनी होगी।

सचिव मंडल ने बीमा उद्योग के समक्ष मौजूदा चुनौतियों के संबंध में एआईआईईए सचिव मंडल के विश्लेषण से संपूर्ण

सहमति जाहिर करते हुए संस्था के अंदर एवं संस्था के बाहर व्यापक अभियान चलाने का भी आव्हान किया। सचिव मंडल ने वेतन पुनर्निर्धारण, पेंशन विकल्प व 1 अप्रैल 2010 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों हेतु अंशदायी पेंशन योजना को खारिज करने की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष की मध्य क्षेत्र में शानदार तैयारियों के लिए भी साथियों को बधाई दी। इस आंदोलन का ही प्रभाव था कि प्रबंधन को 12 एवं 13 मार्च को यूनियनों के साथ चर्चा आहूत करनी पड़ी तथा पेंशन विकल्प पर अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल हो पाईं। सचिव मंडल ने बीमा कर्मियों से वेतन पुनर्निर्धारण, नई भर्ती सहित अन्य लंबित मुद्दों पर एआईआईईए व संयुक्त मंच के आगामी संघर्ष को पूरी शिद्दत से कामयाब बनाने तैयार रहने का आव्हान किया।

सचिव मंडल ने इस दौरान जीटीआईएस, उच्च लागत चिकित्सा सुविधा में सुधार, मेडिक्लेम योजना में सुधार सहित अन्य अनेक विषयों पर हुई प्रगति के लिए एआईआईईए को बधाई दी। सचिव मंडल ने इस मध्य कार्यकारिणी समिति के निर्णयों के अनुरूप मध्य क्षेत्र में सितंबर माह में एलआईसी की हिफाजत, 5 सितंबर की दिल्ली रैली, 8-9 जनवरी की हड़ताल हेतु चलाये गये व्यापक अभियानों तथा उसके सफलतम आयोजन के लिए साथियों के लिए बधाई दी। सचिव मंडल ने केरल के प्राकृतिक आपदा के लिए भी मध्य क्षेत्र के बीमा कर्मियों को अधिकाधिक योगदान के लिए बधाई दी। मध्य क्षेत्र में इस कोष में 4250506 इकत्र किये गए।

इसी तरह 8-9 जनवरी 2019 को मध्य क्षेत्र में लगभग 80 प्रतिशत हड़ताल रही। रायपुर में 92 प्रतिशत व शहडोल, सतना में 88 प्रतिशत हड़ताल रही। सचिव मंडल ने मध्य क्षेत्र के साथियों को इस सफल हड़ताल के लिए बधाई दी।

सचिव मंडल ने आंदोलन की खबर, इंश्योरेंस वर्कर की सदस्यता नवीनीकरण व पाठक संख्या में वृद्धि, भारत के लिए लोग मंच सहित अन्य सांगठनिक गतिविधियों की भी समीक्षा की। सचिव मंडल ने मेडिक्लेम में आ रही दिक्कतों, विजिलेंस संबंधित प्रकरणों सहित मध्य क्षेत्र के विभिन्न मंडलों की क्षेत्रीय स्तर पर लंबित समस्याओं पर भी चर्चा की, जिसे क्षेत्रीय प्रबंधन के स्तर पर उठाने का निर्णय लिया गया।

सचिव मंडल बैठक में उपरोक्त बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा के बाद प्रमुख रूप से निम्न निर्णय लिये गये-

1. सेमीनार/परिचर्चा/गोष्ठी -

सचिव मंडल ने एआईआईईए सचिव मंडल के निर्णय के अनुरूप मध्य क्षेत्र में प्रत्येक मंडल में तत्काल न्यूनतम दो सेमीनार/परिचर्चा आयोजित करने का निर्णय लिया। जिसमें सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं का महत्व एक विषय होगा तथा एक अन्य विषय निम्नलिखित विषय 1. कृषि क्षेत्र का संकट, 2. रोजगारहीनता और बेरोजगारी, 3. संविधान व जनतंत्र के समक्ष मौजूद खतरे विषयों में से काई एक विषय। इसमें समाज के व्यापक हिस्सों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएं तथा भारत के लिए लोग मंच को इस हेतु सक्रिय किया जाए।

2. उद्योग की हिफाजत हेतु अभियान -

सचिव मंडल ने धीमी आर्थिक वृद्धि के दौर में आम लोगों की घटती क्रय शक्ति के चलते, घटते घरेलू बचत और उसमें भी वित्तीय बचत में कमी तथा नियमित प्रीमियम में कमी की चुनौती एवं अभिकर्ता व विकास वाहिनी को प्रोत्साहन व व्यवसाय तथा बीमा धारकों की बेहतर सेवा के हमारे दायित्वों के मद्देनजर मार्च माह में सभी मंडलों में अभिकर्ताओं के मध्य नवव्यवसाय प्रतियोगिता आयोजित कर उन्हें प्रोत्साहित करने, विशेष बीमा सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम हाथ में लेने और पुरानी कालातीत पॉलिसियों को पुन: प्रारंभ कराने विशेष अभियान सभी मंडलों में चलाने का आव्हान किया। सचिव मंडल ने बीमा प्रीमियम पर जी.एस.टी. समाप्त करने एवं बीमा प्रीमियम पर आय की विशेष छूट प्रदान करने का विषय आगामी चुनाव में सभी राजनैतिक दलों के घोषणा पत्र में शामिल किये जाने हेतु दोनों प्रदेशों के राजनैतिक दलों के प्रमुखों को पत्र लिखे जाने का भी निर्णय लिया। सचिव मंडल ने राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत में अपने अभियानों को जारी रखने के साथ ही इसे नेस्तनाबूत करने का षड़यंत्र करने वाली ताकतों को आगामी चुनाव में पराजित करने का आव्हान किया।

(3) आंदोलन की खबर व इंश्योरेन्स वर्कर :

सचिव मंडल ने इन मुखपत्रों का नवीनीकरण समय पर करने, पाठक संख्या में वृद्धि के लिये अपनी सदस्यता के बाहर भी विशेष प्रचार करने एवं इंश्योरेंस वर्कर हेतु न्यूनतम 5000/- रू प्रत्येक मंडल से अप्रैल माह तक एक विज्ञापन एकत्र करने का

निर्णय लिया । इंश्योरेंस वर्कर में मई माह का विज्ञापन मध्य क्षेत्र हेतु आरक्षित है, जिसमें अंतिम पृष्ठ 25000/- तथा दो भीतरी आवरण पृष्ठ, 15,000/- प्रत्येक का विज्ञापन शुल्क है और प्रत्येक माह हर क्षेत्रीय इकाई को यह विज्ञापन इंश्योरेंस वर्कर हेतु एकत्र करने का निर्णय ए.आई.आई.ई.ए. ने लिया है।

(4) क्षेत्रीय महिला सम्मेलन -

सीजेडआईईए सम्मेलन के पूर्व क्षेत्रीय महिला सम्मेलन का भी आयोजन होना है, इस वर्ष यह सम्मेलन रायपुर में होना है, रायपुर मंडल के सुझाव पर सचिव मंडल ने 11 अगस्त 2019 को यह सम्मेलन रायपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया है।

(5) सीजेडआईईए का महाअधिवेशन :

जैसा कि आपको विदित है एआईआईईए का आगामी महाधिवेशन जनवरी-फरवरी 2020 के अंत में विशाखापट्नम में आयोजित होने जा रहा है। इसके पूर्व क्षेत्रीय सम्मेलन भी होने है। सचिव मंडल ने सीजेडआईईए का आगामी सम्मेलन नवबंर अंत में आयोजित करने का निर्णय लिया। यह सम्मेलन जबलपुर में आयोजित होगा और जेडीआईईयू के साथी इसकी तैयारियों में लगे हैं। ।

(6) कार्यकारिणी समिति बैठक -

सचिव मंडल ने सीजेडआईईए की आगामी कार्यकारिणी समिति की बैठक जून माह में बिलासपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया।

(7) वार्षिक विवरण -

सचिव मंडल ने सभी मंडलीय इकाइयों से समय पर वार्षिक विवरण जमा करने तथा इसकी एक प्रति सीजेडआईईए व एआईआईईए को प्रेषित करने का आव्हान किया।

साथियों, हमें हमारे सामने मौजूदा चुनौतियों को पराजित करने संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा। हमारे वर्ग दुश्मन हमें बांटने और हमसे सब कुछ छीनने कभी जाति, कभी धर्म तो कभी छद्म राष्ट्रवाद का नारा उछालते है और फिर इसकी आड़ में हमारे सार्वजनिक संस्थान की बोली लगाते है और हमारे अधिकारों को छीन लेना चाहते हैं उनकी इस मंशा को हर कीमत पर हमें पराजित करना होगा तब ही हम अपने संघर्ष और जीवन की हिफाजत का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। मध्य क्षेत्र के बीमाकर्मी निश्चय ही परंपरा के अपनी अनुरूप इन आव्हानों को सफल बनाने हेतु जुटेंगे यह हमारा विश्वास है।

क्रान्तिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)

महासचिव

पेंशन के अंतिम विकल्प की
ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए समस्त
बीमा कर्मियों का
अभिनंदन एवं बधाई